

03/11/5

वन्द्यमान जरीकेन गौहाकरं। वन्द्यमान प्रथम व
प्रथम का अवाज विनाही गर्ध। वर वर अवाज
दिमान हे वजजुड न्यायमान समस्त वरु हाकिर
नही उन से अवेदन अवाज अवेदन पंजी अवाज
वृज्यर अवेदन विदे जात हे अवेदन विदे
जाते ही मिलान अवेदन अवेदन अवेदन अवेदन
कर ही

उपखण्ड अधिकारी, दातारामगढ